चीनी का दुष्प्रचार करना विरोधी मानसिकता है

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा मंगलवार को चीनी एवं स्वास्थ्य-मिथक और हकीकत विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन मीठा 2022 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत सरकार में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण के सचिव सुधांशु पांडे ने किया। इसके साथ ही भारत सरकार में शर्करा एवं प्रशासन के संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह ने संबोधित किया। कार्यक्रम में बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आलोक मिश्र विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय शर्करा संस्थान एवं इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि अनेक मार्केटिंग एजेंसियों द्वारा चीनी के मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव के बारे में पूर्ण रूप से सही सूचना न प्रदान कर एक चीनी विरोधी मानसिकता सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा है। इस मिथ्या प्रचार के बारे में लोगों को जागरूक करने, कृत्रिम मीठे पदार्थों के संभावित दुष्प्रभावों इत्यादि की वस्तुस्थिति से अवगत कराने और संतुलित आहार में चीनी की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम को प्रमुख रूप से देश के प्रसिद्ध शर्करा तकनीकविदों के अतिरिक्त पोषणविद् और डायबटीज स्पेशलिस्ट ने भी संबोधित किया। वहीं, प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की स्पेशलिटि शुगर एवं उनको विभिन्न

कार्यों में उपयोगिता को प्रदर्शित गया। साथ ही गुड़ जो कि एक पारंपरिक सेहतमंद मीठा खाद्य पदार्थ माना जाता है, उसके भी विभिन्न प्रकारों का प्रदर्शन किया गया। गुड़ की चाय, ताजे गन्ने के रस से बनी खीर एवं गुड़ पर आधारित उत्पादों को भी प्रदर्शित किया गया, जो बिक्री के लिए रियायती मूल्यों पर उपलब्ध रहे।